KURUKSHETRA UNIVERSITY KURUKSHETRA

Scheme of Examination for B.A. Part-I in the Subject of Sanskrit (Compulsory) (Annual System, Distance Education Mode)

w.e.f. Session : 2013-2014

B.A. Part-I
w.e.f. Session : 2013-2014

SANSKRIT (COMPULSORY)

कुल अङ्क : 80
आन्तरिक मूल्याङ्कन : 20
समय : 3 घण्टे

घटक-I : संस्कृत–चयनिका (कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय प्रकाशन)–
पद्यभाग : 1–12 पाठ। 16अङ्क

घटक-II : संस्कृत–चयनिका–
गद्यभाग : 1–18 पाठ। 16अङ्क

घटक-III : संस्कृत–व्याकरण– 16अङ्क
(क) शब्द–रूप : बालक, कवि, साधु, पितृ, मातृ, फल, विद्वस्, शशिन्, राजन्, लता, नदी, सर्व (तीनों लिङ्गों में), अस्मद्, युष्मद्, तद् (तीनों लिङ्गों में), इदम्। (8अङ्क)
(ख) धातु–रूप : भू, वद्, स्था, लभ्, दा (यच्छ्), प्रच्छ्, गम्, पठ्, अस्, कृ, श्रु, चुर्। (केवल लट्, लोट्, लङ्, विधिलिङ्, लृट् लकारों में)। (8अङ्क)

घटक-IV : (क) स्वरसन्धि, व्यञ्जनसन्धि एवं विसर्गसन्धि। 8अङ्क
(ख) कारक तथा उपपदविभक्तियों पर आधारित अनुवाद। 8अङ्क

—

विशेष निर्देश–

1. प्रश्न-पत्र अधिकतम **80** अङ्कों का होगा। **20** अङ्क आन्तरिक मूल्यांकन के लिये निर्धारित हैं।
2. प्रश्न-पत्र में कुल **पाँच** प्रश्न दिये जाएँगे। प्रत्येक प्रश्न **16** अङ्कों का होगा। **प्रथम प्रश्न** पाठ्यक्रम में निर्धारित चारों घटकों पर आधारित तथा अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित आठ (8) प्रश्न पूछे जाएँगे। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न दो (2) अङ्कों का होगा। शेष चार प्रश्नों में पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से दो वैकल्पिक प्रश्न दिये जाएँगे। परीक्षार्थी को इनमें से प्रत्येक घटक के एक एक प्रश्न का उत्तर लिखना होगा।
3. प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन (3) घण्टे होगा।

—

प्रश्नपत्र-निर्माण के लिये निर्देशः-

1. प्रश्नपत्र में कुल पाँच (5) प्रश्न दिये जाएँ। प्रश्नपत्र के लिये कुल 80 अङ्क निर्धारित हैं। सभी प्रश्न समानाङ्क होंगे अर्थात् प्रत्येक प्रश्न सोलह (16) अङ्कों का होगा। प्रश्न-पत्र हल करने का समय तीन (3) घण्टे होगा।
2. **प्रथम प्रश्न** पाठ्यक्रम के चारों घटकों में निर्धारित विषयों के आधार पर बनाया जाए। यह प्रश्न अनिवार्य होगा। इसके अन्तर्गत लघु उत्तर वाले विकल्परहित आठ (8) प्रश्न पूछे जाएँ। प्रत्येक लघूत्तरात्मक प्रश्न दो (2) अङ्कों का होगा।
3. द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ तथा पञ्चम प्रश्न का निर्माण पाठ्यक्रम के क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ घटक में निर्धारित विषय के आधार पर किया जाए। पाठ्यक्रम के प्रत्येक घटक से दो वैकल्पिक प्रश्न देकर परीक्षार्थी से प्रत्येक घटक से एक एक प्रश्न का उत्तर लिखने को कहा जाए।

☼